# न्यायालय जिला कलक्टर एवं मजिस्ट्रेट, श्रीगंगानगर

विविध **बैंक प्रकरण** संख्या **42/2023**(GCMS : **2023/57**)

**ए यू स्मॉल फाईनेंस बैंक लिमिटेड** (पूर्व में ए यू फाईनेंसर्स इण्डिया लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) शाखा कार्यालय – 4–ई–8 जवाहर नगर, प्रथम तल, मीरा चौक रोड़, नजदीक गौड़ हास्पीटल, श्रीगंगानगर जरिये अधिकृत हस्ताक्षरकर्त्ता पोर्टफोलियो कलेक्शन मैनेजर श्री मनोज कुमार पुत्र श्री महावीर प्रसाद

**बनाम**

1. **विकास पुत्र** श्री कृष्णलाल निवासी वार्ड नं. 2, गांव सिंहागांवाली, 16 बी.एन.डब्ल्यू, धर्मसिंहवाला, जिला श्रीगंगानगर पिन– 335002
2. मेनपाल पुत्र श्री कृष्णलाल निवासी 16 बी.एन.डब्ल्यू, श्यामसिंहवाला जिला श्रीगंगानगर–335002
3. रोशनी देवी पत्नी श्री कृष्णलाल निवासी 16 बी.एन.डब्ल्यू, वार्ड नं. 2, स्यागांवाली, श्यामसिंहवाला, जिला श्रीगंगानगर पिन कोड – 335002

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

**26.07.2023**

**पत्रावली पेश हुई। प्रार्थी** बैंक के अधिवक्ता श्री राजीव मेहन्दीरत्ता की बहस सुनी गई। पत्रावली का अवलोकन किया गया।

**प्रार्थी बैंक के अधिवक्ता का कथन है** कि प्रार्थी द्वारा एक प्रार्थना पत्र वित्तिय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 14 के अन्तर्गत दिनांक 20.03.2023 को प्रस्तुत किया था कि प्रार्थी बैंक द्वारा अप्रार्थीगण विकास, मेनपाल एवं रोशनी देवी को ऋण सुविधा के रूप में 2.00/– लाख रूपये (अखरे रूपये दो लाख मात्र) का ऋण स्वीकृत किया था। ऋण की सुरक्षा की एवज में अप्रार्थी रोशनी देवी द्वारा अपनी अचल सम्पत्ति पट्टा नं. 50, बुक नं. 414 (क्षेत्रफल 2142 सक्वेयर फुट) ग्राम पंचायत 11 एल एन पी ख्यालीवाला तहसील सादुलशहर, जिला श्रीगंगानगर प्रार्थी बैंक के पास बंधक रखी। उनका आगे कथन है कि अप्रार्थीगण द्वारा ऋण की शर्तो के अनुसार नियमित रूप से ऋण का भुगतान नही किया गया है जिस कारण उनका ऋ[illegible] दिनांक 08.10.2022 को अनर्जक परिसम्पत्ति(एन.पी.ए.) के रू[illegible] अप्रार्थीगण ऋणियों के नाम दिनांक 10.10.2022 को 2,59,138/– रूपये ऋण राशि व इ[illegible]श्चात के

Signature Not Verified
Digitally signed by Ansh Deep Ralh
Date: 2023.08.10 17:57:39 IST
Reason: SelfAttested

जिला मजिस्ट्रेट
श्री गंगानगर

ब्याज व अन्य खर्चे अतिरिक्त के बकाया है जिस पर अप्रार्थीगण को धारा 13(2)के अन्तर्गत 60 दिवस का नोटिस दिनांक 10.10.2022 को उक्त बकाया राशि जमा करवाने के लिए जारी किया गया। उक्त धारा 13(2) के 60 दिवस के नोटिस अप्रार्थीगण को रजिस्टर्ड डाक से दिनांक 12.10.2022 भिजवाये गये है तथा दो समाचार पत्रों "इण्डियन एक्सप्रेस" एवं "दैनिक नवज्योति" में दिनांक 30.10.2022 को प्रकाशित करवाये गये है। **इसके बावजूद भी अप्रार्थीगण ऋणियों द्वारा बैंक की उक्त बकाया राशि जमा नही करवाई गई है।** इसलिए **सुरक्षा की एवज में प्रार्थी बैंक के पास दृष्टि बंधक** रखी गई अप्रार्थी रोशनी देवी की अचल सम्पत्ति पट्टा नं. 50, बुक नं. 414 (क्षेत्रफल 2142 सक्वेयर फुट) ग्राम पंचायत 11 एल एन पी ख्यालीवाला तहसील सादुलशहर, जिला श्रीगंगानगर का भौतिक कब्जा प्रार्थी बैंक को पुलिस की सहायता से दिलाया जावे।

**मैने, प्रार्थी बैंक के अभिभाषक के उक्त तर्को** पर मनन किया एवं पत्रावली में उपलब्ध उनके प्रार्थना पत्र धारा 14, शपथ पत्र एवं अन्य उपलब्ध दस्तावेजात का भी अवलोकन किया तो पाया कि उक्त प्रार्थना पत्र के अनुसार प्रार्थी बैंक ने **अप्रार्थीगण विकास, मेनपाल एवं रोशनी देवी** को 2.00/– लाख रूपये (अखरे रूपये दो लाख मात्र) के ऋण राशि की स्वीकृति प्रदान की थी। ऋण की सुरक्षा की एवज में अप्रार्थी ऋणी रोशनी देवी ने अपनी अचल सम्पत्ति पट्टा नं. 50, बुक नं. 414 (क्षेत्रफल 2142 सक्वेयर फुट) ग्राम पंचायत 11 एल एन पी ख्यालीवाला तहसील सादुलशहर, जिला श्रीगंगानगर प्रार्थी बैंक के पास रहन रखी। प्रार्थी बैंक के प्रार्थना धारा 14 एवं उसके समर्थन में प्रस्तुत दस्तावेजात एवं शपथ पत्र के अनुसार अप्रार्थी ऋणी का खाता दिनांक 08.10.2022 **को अनर्जक परिसम्पत्ति (एन.पी.ए.)** हो गया। बैंक द्वारा अप्रार्थी ऋणी को धारा 13(2) के नोटिस दिनांक 10.10.2022 को जारी कर पोस्ट ऑफिस के रजिस्टर्ड डाक से दिनांक 12.10.2022 [illegible] जिसकी रसीद पत्रावली में उपलब्ध है तथा अप्रार्थीगण विकास एवं मेनपाल को धारा 13(2) के नोटिस

Signature Not Verified
Digitally signed by Ansh Deep Ralh
Date: 2023.08.10 17:57:39 IST
Reason: SelfAttested

जिला मजिस्ट्रेट
श्री गंगानगर

प्राप्ति के परिणामस्वरूप ऑनलाईन ट्रेक उपलब्ध है, जिसके अनुसार अप्रार्थीगण विकास एवं मेनपाल को धारा 13(2) के नोटिस की विधिवत् तामील हो गई है **परन्तु अप्रार्थी रोशनी देवी के ऑनलाईन ट्रैक के अनुसार अप्रार्थी रोशनी देवी को धारा 13(2) के नोटिस की विधिवत् तामिल नहीं हुई है।**

**वित्तिय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 14 के अन्तर्गत प्रस्तुत प्रार्थना पत्र पर कार्रवाई करने के लिए विवादग्रस्त सम्पत्ति जिसका भौतिक कब्जा चाहा जा रहा है वह सम्बन्धित जिला मजिस्ट्रेट के क्षेत्राधिकार में होना आवश्यक है और दूसरा सम्बन्धित ऋणियों पर धारा 13(2) के नोटिस की तामील ऋणियों/जमानतदारों पर विधिवत् रूप से होनी आवश्यक है।**

**जहां तक ऋण की एवज** में बंधक रखी गई अप्रार्थी ऋणी रोशनी देवी की अचल सम्पत्ति पट्टा नं. 50, बुक नं. 414 (क्षेत्रफल 2142 सक्वेयर फुट) ग्राम पंचायत 11 एल एन पी ख्यालीवाला तहसील सादुलशहर, जिला श्रीगंगानगर जो प्रार्थी बैंक के पास बंधक रखी हुई है, का संबध है, वह निम्न हस्ताक्षरकर्ता के क्षेत्राधिकार जिला श्रीगंगानगर में स्थित है। इसलिए वित्तिय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 14 के तहत निम्न हस्ताक्षरकर्त्ता कार्रवाई करने के लिए सक्षम है।

**जहां तक अप्रार्थीगण ऋणियों पर धारा 13(2) के जारी** नोटिस 10.10.2022 की तामील का प्रश्न है। प्रार्थना पत्र के अनुसार दिनांक 10.10.2022 को 60 दिवस में राशि जमा करवाने का धारा 13(2) के [illegible] अप्रार्थीगण को रजिस्टर्ड डाक से दिनांक 12.10.2020 को भिजवाना अंकित है [illegible] पोस्ट ऑफिस की रसीद पत्रावली में उपलब्ध है एवं **अप्रार्थीगण विकास एवं मेनपाल को धारा 13(2) के नोटिस की प्राप्ति परिणामस्वरूप** पोस्ट ऑफिस के ऑनलाईन ट्रेक पत्रावली में

Signature Not Verified
Digitally signed by Ansh Deep Ralh
Date: 2023.08.10 17:57:39 IST
Reason: SelfAttested

जिला मजिस्ट्रेट
श्री गंगानगर

उपलब्ध है, जिसके अनुसार अप्रार्थीगण विकास एवं मेनपाल को धारा 13(2) के नोटिस तामील हो गई है किन्तु अप्रार्थी रोशनी देवी के धारा 13(2) के नोटिस की प्राप्ति के ऑनलाईन ट्रैक के अनुसार, अप्रार्थी रोशनी देवी को धारा 13(2) के नोटिस की तामील होना नहीं माना जा सकता है। वित्तिय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 अन्तर्गत धारा 14 के **अनुसार अप्रार्थीगण ऋणियों को धारा 13(2) का 60 दिवस का नोटिस जारी करने पर यदि अप्रार्थीगण ऋणियों पर नोटिस की तामील नहीं होती है और अप्रार्थीगण नोटिस की तामील से बचने का प्रयास करते है तो नोटिस की प्रति उनके निवास स्थान पर चस्पा कर दो समाचार पत्रों में धारा 13(2) के नोटिस का प्रकाशन करवाना आवश्यक होता है** परन्तु प्रार्थी बैंक ने धारा 13(2) का नोटिस दिनांक 10.10.2022 को जारी कर **पोस्ट ऑफिस की रजिस्टर्ड डाक से अप्रार्थीगण को भिजवाया है** और अप्रार्थी रोशनी देवी को धारा 13(2) के नोटिस की तामील नहीं हुई है तो प्रार्थी बैंक को धारा 13(2) के नोटिस की प्रति उसके निवास स्थान पर चस्पा किये बिना ही दो समाचार पत्रों ''इण्डियन एक्सप्रेस'' एवं ''दैनिक नवज्योति'' में प्रकाशित करवया है।

**नोटिस तामील के सम्बन्ध में वित्तिय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियम 2002 के नियम 3 निम्नानुसार अवलोकनीय है:**

**Demand Notice**

The service of demand notice as referred to in sub-section (2) of section 13 of the Ordinance shall be made by delivering or transmiting at the place where the borrower or his agent. empowered to accept the notice or documents on behalf of the borrower, actually and voluntarily resides or carries on business or personally works for gain, by registered post with acknowledgement due, addressed to the borrower or his agent empowered to accept the service or by Speed Post or by courier or by any other means of transmission of documents like fax message or electronic mail service:

Signature Not Verified
Digitally signed by Ansh Deep Ralh
Date: 2023.08.10 17:37:39 IST
Reason: SelfAttested

जिला मजिस्ट्रेट
श्री गंगानगर

**PROVIDED** that where authorised officer has reason to believe that **the borrower or his agent is avoiding the service of the notice or that for any other reason, the service cannot be made as aforesaid, the service shall be effected by affixing a copy of the demand notice on the the outer door or some other conspicuous part of the house or building in which the borrower or his agent ordinarily resides or carries on business or personally works for gain and also by publishing the contents of the demand notice in two leading newspaper,** one in vernacular language, having sufficient circulation in that locality.

(2) Where the borrower is a body corporate the demand notice shall be served on the registered office or any of the brances of such body corporate as specified under sub rule(a)

(3) Any other notice in writing to be served on the borrower or his agent by authorised officer, shall be served in the same manner as provided in this rule.

(4) Where there are more than one borrower the demand noice shall be served on each borrower.

**चूंकि प्रार्थीगण** धारा 13(2) के नोटिस दिनांक 10.10.2022 को जारी कर रजिस्टर्ड डाक से दिनांक 12.10.2022 भिजवाये गये है और धारा 13(2) के नोटिस की तामील अप्रार्थीगण ऋणी/सहऋणी/गारंटर पर नोटिस की तामील स्वयं पर होनी आवश्यक है जबकि **अप्रार्थी रोशनी देवी को धारा 13(2) के नोटिस की तामील नहीं हुई है और प्रार्थी बैंक ने धारा 13(2) के नोटिस को उसके निवास स्थान पर चस्पा किये बिना ही दो समाचार पत्रों में प्रकाशित करवाया है,** जो उक्त **THE SECURITY INTEREST (ENFORCEMENT) RULES, 2002 के RULE 3(4) के प्रावधानों की अवहेलना है। इस प्रकार समस्त अप्रार्थीगण ऋणियों पर धारा 13(2) के नोटिस की विधिवत् तामील होना नहीं माना जा सकता।**

**कोई भी न्यायालय किसी भी प्रचलि[illegible] अधिनियम के प्रावधानों के बाहर जाकर कोई निर्देश/आदेश [illegible] है और इसके सम्बन्ध माननीय उच्चतम न्यायालय की खण्[illegible] (SC) 726 - State of Bihar & Anr versues Arvind Kumar & Anr के पैरा–13 में निम्न प्रकार से निर्देश दिये है :**

Signature Not Verified
Digitally signed by Ansh Deep Ralh
Date: 2023.08.10 17:57:39 IST
Reason: SelfAttested

जिला मजिस्ट्रेट
श्री गंगानगर

13.In Manish Goel Vs Rohini Goel, AIR 2010 SC 1099, this Court has held that genrally, no Court has competence to issue a direction contrary to law nor the Court can direct an authority to act in contravention of the statutory provis'ons. The Courts are meant to enforce the rule of law and not to pass the orders or directions which are contrary to what has been injected by law. [see aslo : Vice Chancellor, University of Allahabad & Ors. Vs Dr. Anand Prakash Mishra & Ors., (1997) 10 SCC 264; and karnataka State Road Trasnport Corporation Vs Ashrafulla Khan & Ors, AIR 2002 SC 629]

चूंकि अप्रार्थी रोशनी देवी पर उक्त **RULE 3(4)** के प्रावधानों के तहत धारा 13(2) के नोटिस की तामील न होने के कारण एवं उक्त कानूनी प्रावधानों की अवहेलना होने के कारण प्रार्थी ए यू स्मॉल फाईनेंस बैंक लिमिटेड का उक्त प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 14 वित्तिय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 स्वीकार करने योग्य नहीं है। प्रार्थी बैंक का उक्त प्रार्थना खारिज किया जाता है। प्रार्थी बैंक उक्त अधिनियम 2002 की पूर्ण पालना करते हुए अप्रार्थीगण को पुनः धारा 13(2) के नोटिस जारी कर सम्पूर्ण कार्यवाही नये सिरे से कर पुनः धारा 14 का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करने के लिए स्वतन्त्र है। आदेश की प्रति प्रार्थी बैंक को पालनार्थ भिजवाई जावे। पत्रावली बाद तरतीब तक़मील दाख़िल दफ़्तर हो।

यह आदेश आज दिनांक 26.07.2023 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

(अंशदीप)

जिला मजिस्ट्रेट
श्री गंगानगर

Signature Not Verified

Digitally signed by Ansh Deep Ralh
Date: 2023.08.10 17:57:39 IST
Reason: SelfAttested